(सरकारी गजट उत्तर प्रदेश भाग-4 में प्रकाशित)

*सचिव, माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उ०प्र०, प्रयागराज की विज्ञप्ति संख्या परिषद्–**9/989**,*
*के सातत्य में शैक्षिक सत्र **2020-21** के लिए स्वीकृत नवीनतम पाठ्यक्रम पर*
आधारित एकमात्र पाठ्य-पुस्तक

हिन्दी

कक्षा-11

- गद्य
- कथा साहित्य
- काव्य
- संस्कृत दिग्दर्शिका

सम्पादकद्वय

डॉ० रमेश कुमार उपाध्याय
एम०ए० (हिन्दी, संस्कृत), पी-एच०डी०
भूतपूर्व साहित्य विभागाध्यक्ष,
हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयागराज

डॉ० योगेन्द्र नारायण पाण्डेय
एम०ए० (हिन्दी, संस्कृत),
बी० एड०, पी-एच०डी०
स्नातकोत्तर (शिक्षा प्रशासन) वरिष्ठ प्रवक्ता
महगाँव इण्टर कॉलेज,
महगाँव, कौशाम्बी

माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उ० प्र०, प्रयागराज द्वारा
स्वीकृत पाठ्यक्रम पर आधारित

संस्करण 2020-21

प्राक्कथन

माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उ०प्र०, प्रयागराज द्वारा नवीनतम् पाठ्यक्रमानुसार हिन्दी विषय में 100 अंकों का एक प्रश्न-पत्र निर्धारित किया गया है। उत्तीर्णांक 33 अंक और समय 3 घण्टे है।

हिन्दी साहित्य में समय-समय पर युगानुरूप परिस्थितियाँ दिखायी देती हैं। बदलते समय को साहित्य ने दक्षतापूर्वक ग्रहण किया है और पाठकों के समक्ष प्रस्तुत भी किया है। साहित्य के विभिन्न रूपों में गद्य को सर्वथा गम्भीर माना गया है, क्योंकि इसमें बौद्धिकता के साथ व्यावहारिकता का आग्रह अधिक दिखायी देता है। पहले यह विधा काव्य के ही निकट समझी जाती थी, परन्तु आज उपन्यास, कहानी, निबन्ध आदि अनेक रूपों में इसने अपनी अलग क्षमता प्रदर्शित की है। इन सबको विस्तार से प्रस्तुत करना एक छोटी-सी पुस्तक के लिए सम्भव नहीं है। प्रस्तुत पाठ्य-पुस्तक **'गद्य'** के प्रस्तुतीकरण में ध्यान रखा गया है कि माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उ० प्र० द्वारा निर्धारित **कक्षा-11** के पाठ्यक्रमानुसार यह विद्यार्थी और सुधी अध्यापकों के लिए बोधगम्य हो।

छायावाद के बाद का समय तो हिन्दी गद्य के लिए स्वर्णयुग कहा जा सकता है। यह ऐसा समय था जब देश ने पराधीनता की बेड़ियाँ तोड़कर स्वाधीनता के मुक्त वातावरण में साँस ली। स्वतन्त्रता के बाद के साहित्य में राष्ट्र के नवनिर्माण पर बल दिया गया। इस युग के निबन्ध समसामयिक जन-समस्याओं के भी दर्पण हैं। प्रस्तुत पुस्तक में साहित्य के बदलते स्वरूप के परिप्रेक्ष्य में इसका दर्शन होगा। ऐसा लगता है कि यह प्रक्रिया अभी भी प्रवहमान है। यह स्वाभाविक ही है कि साहित्य भविष्य में भी समाज का दर्पण बना रहे।

गद्य के अन्तर्गत सड़क सुरक्षा एवं यातायात के नियम से सम्बन्धित नवीन जानकारी दी गयी है, तो **'काव्य'** के अन्तर्गत रचनाओं का संकलन करते समय कवियों के कालक्रम पर विशेष ध्यान दिया गया है। **'काव्य'** में कबीर, जायसी, सूर, तुलसीदास, केशवदास, बिहारी, भूषण, सेनापति, देव एवं घनानन्द की चर्चित रचनाओं का संकलन विद्यार्थियों की रुचि एवं स्तर के अनुकूल किया गया है ताकि विद्यार्थी पाठ्यवस्तु को सरलता से ग्रहण कर सकें। विद्यार्थियों की सुविधा हेतु प्रत्येक पाठ के प्रारम्भ में कवि-परिचय तत्पश्चात् काव्य-रचना और अन्त में प्रश्न-अभ्यास दिये गये हैं, जिससे विद्यार्थी परीक्षा के अनुरूप तैयारी कर सकें।

कथा साहित्य में जिन कहानियों का संकलन किया गया है, वे हिन्दी के आधुनिक काल की देन हैं। **'कथा साहित्य'** में पाँच चर्चित लेखकों की श्रेष्ठ कहानियों का संकलन किया गया है। विद्यार्थियों की सुविधा एवं उन्हें कहानी विधा का विधिवत ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से प्रस्तुत संकलन में भूमिका के अन्तर्गत हिन्दी कहानी का गद्य साहित्य में स्थान, कहानी की परिभाषा, कहानी के प्रकार, कहानी के प्रमुख तत्त्वों का विवेचन एवं कहानी के उद्भव एवं विकास का पूर्ण विवरण दिया गया है।

हिन्दी का पूर्ण ज्ञान कराने के उद्देश्य से संस्कृत के अन्तर्गत दस पाठों का समावेश किया गया है। व्याकरण की समुचित जानकारी के लिए हिन्दी एवं संस्कृत व्याकरण को भी इस पाठ्यपुस्तक में स्थान दिया गया है।

यद्यपि पुस्तक को उपयोगी बनाने का भरसक प्रयास किया गया है, तथापि लेखन में सम्भावनाएँ सर्वदा विद्यमान रहती हैं। भविष्य में यदि विद्वज्जनों की ओर से रचनात्मक सुझाव आये तो उनका स्वागत किया जायेगा। यदि उनके सुझावों से पुस्तक और समृद्ध हो, तो हम उनके आभारी होंगे।

–संपादक एवं प्रकाशक

माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उ०प्र०, प्रयागराज द्वारा 2021
की परीक्षा के लिए निर्धारित नवीन पाठ्यक्रम

हिन्दी

कक्षा-11

पूर्णांक : 100

☞ इस विषय में 100 अंकों का एक प्रश्न-पत्र तीन घण्टे का होगा। सम्पूर्ण प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभाजित है—

(क) गद्य, पद्य, खण्डकाव्य, नाटक और कहानी।

(ख) संस्कृत–गद्य, पद्य, निबन्ध, काव्य सौन्दर्य के तत्त्व, संस्कृत व्याकरण और अनुवाद।

खण्ड - 'क'

50 अंक

1. **हिन्दी गद्य का विकास** (गद्य की पाठ्य-पुस्तक में दिये गये पाठों पर आधारित विभिन्न कालों में गद्य की भाषा-संरचना, विधाओं में परिवर्तन, युग-प्रवर्तक लेखकों का योगदान एवं प्रमुख रचनाएँ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न। **1×5 = 5 अंक**
2. **काव्य साहित्य का विकास** (विविध कालों की काव्य प्रवृत्तियाँ, उनमें परिवर्तन, प्रतिनिधि कवि एवं उनकी प्रमुख कृतियाँ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न। **1×5 = 5 अंक**
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित गद्यांशों पर आधारित पाँच प्रश्न। **2×5 = 10 अंक**
4. पाठ्यक्रम में निर्धारित पद्यांशों पर आधारित पाँच प्रश्न। **2×5 = 10 अंक**
5. (क) संकलित गद्य के पाठों के लेखकों का साहित्यिक परिचय, जीवनी, कृतियाँ तथा भाषा-शैली।
   (शब्द सीमा अधिकतम 80) **3 + 2 = 5 अंक**

   (ख) **काव्य-सौष्ठव**—कवि-परिचय, जीवनी, कृतियाँ, साहित्यिक विशेषताएँ।
   (शब्द सीमा अधिकतम 80) **3 + 2 = 5 अंक**
6. **कहानी**—चरित्र-चित्रण, कहानी के तत्त्व एवं तथ्यों पर आधारित लघु उत्तरीय प्रश्न।
   (शब्द सीमा अधिकतम 80) **5 × 1 = 5 अंक**
7. **नाटक**—निर्धारित नाटक की विशेषताएँ एवं पात्रों के चरित्र-चित्रण पर आधारित लघु उत्तरीय प्रश्न।
   (शब्द सीमा अधिकतम 80) **5 × 1 = 5 अंक**

खण्ड - 'ख' — 50 अंक

8\. (क) पठित पाठ्य-पुस्तक के निर्धारित पाठों के संस्कृत गद्य का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद। **2 + 5 = 7 अंक**

(ख) पठित पाठ्य-पुस्तक के निर्धारित पाठों के संस्कृत पद्य का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद। **2 + 5 = 7 अंक**

9\. पाठों पर आधारित अतिलघु उत्तरीय प्रश्नों का संस्कृत में उत्तर (कोई दो प्रश्न करना है)। **2 + 2 = 4 अंक**

10\. **काव्य-सौन्दर्य के तत्त्व**

(क) सभी रस–(परिभाषा, उदाहरण एवं पहचान) **1 + 1 = 2 अंक**

(ख) अलंकार–(1) शब्दालंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष (परिभाषा अथवा उदाहरण) **2 अंक**

(2) अर्थालंकार–उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, सन्देह, भ्रान्तिमान, अनन्वय, प्रतीप, दृष्टान्त तथा अतिशयोक्ति (परिभाषा एवं उदाहरण)

(ग) छन्द– (1) मात्रिक–चौपाई, दोहा, सोरठा, रोला, कुण्डलिया, हरिगीतिका, बरवै (लक्षण एवं उदाहरण) **1 + 1 = 2 अंक**

(2) वर्णवृत्त–इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, सवैया, मत्तगयंद, सुमुखी, सुन्दरी, बसन्ततिलका (लक्षण एवं उदाहरण)

(3) मुक्तक–मनहर (लक्षण एवं उदाहरण)

11\. **निबन्ध**–हिन्दी में मौलिक अभिव्यक्ति। दिये हुए विषय पर निबन्ध, (जनसंख्या, पर्यावरण, स्वास्थ्य शिक्षा आदि की जानकारी हेतु इन विषयों पर भी निबन्ध पूछे जायेंगे)। **2 + 7 = 9 अंक**

संस्कृत व्याकरण–(क्रम संख्या 13 एवं 14 से वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे)

12\. **(क) सन्धि**– (1) स्वर सन्धि–एचोऽयवायावः एङः पदान्तादति, एङिपररूपम् **1 × 3 = 3 अंक**

(2) व्यंजन–स्तोः श्चुनाश्चुः, ष्टुनाष्टुः, झलांजशझशि, खरिच, मोऽनुस्वारः, तोर्लि, अनुस्वारस्ययि पर सवर्णः

(3) विसर्ग–विसर्जनीयस्य सः, ससजुषोरुः, अतोरोरप्लुतादप्लुते, हशिच, रोरि

(ख) समास–अव्ययीभाव, कर्मधारय, बहुव्रीहि। **1 + 1 = 2 अंक**

13\. **(क) शब्दरूप**– (1) संज्ञा–आत्मन्, नामन्, राजन्, जगत्, सरित्। **1 + 1 = 2 अंक**

(2) सर्वनाम–सर्व, इदम्, यद्।

(ख) धातुरूप– लट्, लोट्, विधिलिङ्, लङ्, लृट् (परस्मैपदी) स्था, पा, नी, दा, कृ, चुर् **1 + 1 = 2 अंक**

(ग) प्रत्यय– (1) कृत्–क्त, क्त्वा, तब्यत्, अनीयर् **1 + 1 = 2 अंक**

(2) तद्धित–त्व, मतुप, वतुप

(घ) विभक्ति परिचय– अभितः परितः, समयानिकषाहाप्रतियोगेऽपि, येनाङ्गविकारः, सहयुक्तेऽप्रधाने, नमः स्वस्तिस्वाहा स्वधाऽलंवषड्योगाच्च, षष्ठीशेषे, यतश्चनिर्धारणम् **1 + 1 = 2 अंक**

14\. हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद। **2 + 2 = 4 अंक**

➡ हिन्दी व्याकरण–

(क) शब्दों में सूक्ष्म अन्तर

(ख) अनेकार्थी शब्द

(ग) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (केवल दो शब्द)

(घ) वाक्यों में त्रुटिमार्जन (लिंग, वचन, कारक, काल एवं वर्तनी सम्बन्धी त्रुटियाँ)

(ङ) लोकोक्ति एवं मुहावरे

निर्धारित पाठ्य वस्तु (माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा निर्धारित अंश) का अध्ययन करना होगा।

खण्ड - 'क'

पुस्तक का नाम	लेखक का नाम	पाठ का नाम
1	2	3
गद्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु	*1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है?
	*2. आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी	महाकवि माघ का प्रभात वर्णन
	3. श्यामसुन्दर दास	भारतीय साहित्य की विशेषताएँ
	*4. सरदार पूर्ण सिंह	आचरण की सभ्यता
	*5. डॉ. सम्पूर्णानन्द	शिक्षा का उद्देश्य
	6. रायकृष्ण दास	आनन्द की खोज, पागल पथिक
	*7. राहुल सांकृत्यायन	अथातो घुमक्कड़, जिज्ञासा
	*8. रामवृक्ष बेनीपुरी	गेहूँ बनाम गुलाब
	*9. सड़क सुरक्षा	
काव्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु	*1. कबीरदास	साखी, पदावली
	2. मलिक मुहम्मद जायसी	नागमती वियोग-वर्णन
	*3. सूरदास	विनय, वात्सल्य, भ्रमरगीत
	*4. गोस्वामी तुलसीदास	भरत-महिमा, कवितावली, गीतावली, दोहावली, विनय पत्रिका
	5. केशवदास	स्वयंवर-कथा, विश्वामित्र और जनक की भेंट
	*6. कविवर बिहारी	भक्ति एवं श्रृंगार
	*7. महाकवि भूषण	शिवा-शौर्य, छत्रसाल प्रशस्ति
	8. विविधा	सेनापति, देव, घनानन्द
	*9. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	प्रेम माधुरी, यमुना छवि
	*10. जगन्नाथदास रत्नाकर	उद्धव प्रसंग, गंगावतरण
कथा साहित्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु	*1. प्रेमचन्द	बलिदान
	*2. जयशंकर 'प्रसाद'	आकाशदीप
	*3. भगवतीचरण वर्मा	प्रायश्चित
	*4. यशपाल	समय
	5. जैनेन्द्र कुमार	ध्रुव यात्रा

➡ नाटक (सहायक पुस्तक)

पुस्तक तथा लेखक	प्रकाशक	अनुदानित जिले
1. कुहासा और किरण लेखक–श्री विष्णु प्रभाकर	भारतीय साहित्य प्रकाशन, 204-ए वेस्ट एण्ड रोड, सदर, मेरठ।	मेरठ, आजमगढ़, मुरादाबाद, बलिया रायबरेली, झाँसी, सुल्तानपुर, लखीमपुर खीरी, बदायूँ, पीलीभीत।
2. आन की मान लेखक–श्री हरिकृष्ण प्रेमी	कौशाम्बी प्रकाशन, दारागंज प्रयागराज	वाराणसी, लखनऊ, इटावा, बरेली, फर्रूखाबाद, एटा, शाहजहाँपुर, उन्नाव, हमीरपुर।
3. गरूड़ ध्वज लेखक–लक्ष्मीनारायण मिश्र	साहित्य भवन, प्रा. लि., 93, के. पी. कक्कड़ रोड, प्रयागराज।	आगरा, गोरखपुर, जौनपुर, फैजाबाद बिजनौर, फतेहपुर, गोण्डा प्रतापगढ़, बहराइच, ललितपुर।
4. सूत पुत्र लेखक–डॉ. गंगासहाय 'प्रेमी'	रामप्रसाद एण्ड सन्स, अस्पताल रोड, आगरा।	प्रयागराज, सहारनपुर, अलीगढ़, मुजफ्फर-नगर, गाजीपुर, मेनपुरी, जालौन, हरदोई, बाराबंकी।
5. राजमुकुट लेखक–श्री व्यथित 'हृदय'	सिम्बुल लैंग्वेज कारपोरेशन अस्पताल रोड, आगरा	कानपुर, बुलन्दशहर, मथुरा, बस्ती, मिर्जापुर, देवरिया, बांदा, रामपुर।

खण्ड - 'ख'

संस्कृत दिग्दर्शिका

● पाठ्य वस्तु

*1. वन्दना
*2. प्रयागः
*3. सदाचारोपदेशः
*4. हिमालयः
*5. गीतामृतम्
6. चरैवेति-चरैवेति
*7. लोभः पापस्य कारणम्।
8. विश्वबन्द्याः कवयः
9. चतुरश्चौरः
10. सुभाषचन्द्रः
परिशिष्ट, व्याकरण, शब्दरूप, धातुरूप।

नोटः सामान्य हिन्दी के छात्रों को '*' वाले पाठों का अध्ययन करना है।

●●

विषय-सूची

खण्ड - 'क'

गद्य

- यह संकलन 11
- भूमिका 13
- हिन्दी गद्य के विकास पर आधारित प्रश्न 25
- अध्ययन-अध्यापन 33

1. * **भारतेन्दु हरिश्चन्द्र** 35
   भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है?
2. * **आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी** 42
   महाकवि माघ का प्रभात-वर्णन
3. **श्यामसुन्दरदास** 49
   भारतीय साहित्य की विशेषताएँ
4. * **सरदार पूर्णसिंह** 57
   आचरण की सभ्यता
5. * **डॉ0 सम्पूर्णानन्द** 66
   शिक्षा का उद्देश्य
6. **राय कृष्णदास** 74
   आनन्द की खोज, पागल पथिक
7. * **राहुल सांकृत्यायन** 79
   अथातो घुमक्कड़-जिज्ञासा
8. * **रामवृक्ष बेनीपुरी** 87
   गेहूँ बनाम गुलाब
9. * **सड़क सुरक्षा** 94

- परिशिष्ट (टिप्पणियाँ) 96

काव्य

- यह संकलन 99
- भूमिका 100
- काव्य साहित्य के विकास पर आधारित प्रश्न 116
- अध्ययन-अध्यापन 129

1. * **कबीर दास** 131
   साखी, पदावली
2. **मलिक मुहम्मद जायसी** 141
   नागमती-वियोग-वर्णन

3. * **सूरदास** 152
विनय, वात्सल्य, भ्रमर-गीत
4. * **गोस्वामी तुलसीदास** 162
भरत-महिमा, कवितावली, गीतावली, दोहावली, विनयपत्रिका
5. **केशवदास** 177
स्वयंवर-कथा, विश्वामित्र और जनक की भेंट
6. * **कविवर बिहारी** 187
भक्ति एवं शृंगार
7. * **महाकवि भूषण** 194
शिवा-शौर्य, छत्रसाल-प्रशस्ति
8. **विविधा** 202
सेनापति, देव, घनानन्द
● **परिशिष्ट (टिप्पणियाँ)** 211

कथा साहित्य

● यह संकलन 218
● भूमिका 219
● संकलित कहानियों का सारांश 227
1. * **प्रेमचन्द** 230
बलिदान
2. * **जयशंकर प्रसाद** 236
आकाशदीप
3. * **भगवतीचरण वर्मा** 243
प्रायश्चित
4. * **यशपाल** 248
समय
5. **जैनेन्द्र कुमार** 253
ध्रुव-यात्रा

नाटक

● **निर्धारित नाटकों का आलोचनात्मक अध्ययन** 264
1. **कुहासा और किरण** 266
विष्णु प्रभाकर
2. **आन का मान** 268
हरिकृष्ण 'प्रेमी'
3. **गरुड़ध्वज** 270
पं. लक्ष्मीनारायण मिश्र
4. **सूतपुत्र** 272
डॉ. गंगासहाय 'प्रेमी'
5. **राजमुकुट** 274
व्यथित हृदय

खण्ड - 'ख'

संस्कृत दिग्दर्शिका

प्रथमः पाठः *वन्दना 276
द्वितीयः पाठः *प्रयागः 278
तृतीयः पाठः *सदाचारोपदेशः 281
चतुर्थः पाठः *हिमालयः 284
पञ्चमः पाठः *गीतामृतम् 286
षष्ठः पाठः चरैवेति-चरैवेति 289
सप्तमः पाठः *लोभः पापस्य कारणम् 291
अष्टमः पाठः विश्ववन्द्याः कवयः 293
नवमः पाठः चतुरश्चौरः 295
दशमः पाठः सुभाषचन्द्रः 298

काव्य-सौन्दर्य के तत्त्व 301
- रस 301
- छन्द 306
- अलंकार 311
- पत्र-लेखन 318
- निबन्ध लेखन 321

1. संस्कृत व्याकरण 335
(क) सन्धि 335
(ख) शब्द-रूप 340
(ग) धातु-रूप 344
(घ) प्रत्यय 347
(ङ) विभक्ति-परिचय 349
(च) समास 351

2. हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद 353

3. हिन्दी व्याकरण 367
(क) शब्दों में सूक्ष्म अन्तर 367
(ख) अनेकार्थी शब्द 370
(ग) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (केवल दो शब्द) 373
(घ) वाक्यों में त्रुटिमार्जन (लिंग, वचन, कारक, काल एवं वर्तनी सम्बन्धी त्रुटियाँ) 378
(ङ) लोकोक्ति एवं मुहावरे 383

सामान्य हिन्दी के छात्रों के लिए

सामान्य हिन्दी के छात्रों को '*' वाले पाठों का अध्ययन करना है।

पुस्तक का नाम	
गद्य–	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी, सरदार पूर्णसिंह, डॉ० सम्पूर्णानन्द, राहुल सांकृत्यायन, रामवृक्ष बेनीपुरी, सड़क सुरक्षा।
पद्य–	संत कबीरदास, सूरदास, गोस्वामी तुलसीदास, कविवर बिहारी, महाकवि भूषण।
कथा साहित्य–	प्रेमचन्द, जयशंकर 'प्रसाद', भगवतीचरण वर्मा, यशपाल।
नाटक–	कुहासा और किरण, आन का मान, गरुड़ध्वज, सूतपुत्र, राजमुकुट।
संस्कृत दिग्दर्शिका–	वन्दना, प्रयागः, सदाचारोपदेशः, हिमालयः, गीतामृतम्, लोभः पापस्य कारणम्।